

Index

- ॥ अक्षय्यञ्चरेवत् ॥ , 170
 ॥ अगस्त्यस्यचराक्षोघ्नम् ॥ , 51
 ॥ अगस्त्यस्ययमिकेद्वे ॥ , 209
 ॥ अगस्त्यचराक्षोघ्नम् ॥ , 46, 49
 ॥ अगस्त्यचैवराक्षोघ्नम् ॥ , 49
 ॥ अग्रेराक्षोघ्नेद्वे ॥ , 25
 ॥ अग्रेराग्रेयेद्वे ॥ , 32
 ॥ अग्रेरायुः ॥ , 30
 ॥ अग्रेर्यद्वाहिष्ठीयेद्वे ॥ , 43
 ॥ अग्रेर्वैश्वानरस्यसामनीद्वे ॥ , 38, 137
 ॥ अग्रेर्हरसीद्वे ॥ , 24, 31
 ॥ अग्रेश्चजराबोधीये ॥ , 21
 ॥ अग्रेश्चदधिक्रम् ॥ , 136
 ॥ अग्रेश्चद्रविणम् ॥ , 35
 ॥ अग्रेश्चयज्ञायजीयम् ॥ , 28
 ॥ अग्रेश्चवारवन्तीयम् ॥ , 22
 ॥ अग्रेश्चविशोविशीयम् ॥ , 43
 ॥ अग्रेश्चवैश्वानरस्यार्षेयम् ॥ , 20
 ॥ अग्रेश्चश्रैष्ठ्यम् ॥ , 51
 ॥ अग्रेश्चसंवर्गः ॥ , 21
 ॥ अग्रेश्चाग्रेयम् ॥ , 37
 ॥ अग्रेश्चार्षेयम् ॥ , 25
 ॥ अङ्गिरसान्निवेष्टौद्वौ इळा नांवासङ्कारौ ॥ , 55
 ॥ अङ्कतेवैरूपस्यसाम ॥ , 188
 ॥ अङ्गिरसांसङ्कोशास्त्रयः देवानांवा सामसुरसे द्वे ॥ , 208
 ॥ अङ्गिरसाञ्चैवनिवेष्टः ॥ , 151
 ॥ अङ्गिरसान्निवेष्टौद्वौ ॥ , 150
 ॥ अङ्गिरसामधीवासपरीवासौद्वौ ॥ , 198
 ॥ अङ्गिरसामुत्सेधनिषेधौ द्वौ ॥ , 201
 ॥ अच्छिद्रञ्च ॥ , 196
 ॥ अञ्जतेन्यञ्जतेस्समञ्जतइति काक्षीवतानांसामानि त्रीणि शार्ङ्गाणिवा ॥ , 229
 ॥ अत्रेर्विवर्त्तोद्वौ ॥ , 141
 ॥ अत्रेश्वासङ्गम् ॥ , 22
 ॥ अदितेश्चसाम ॥ , 48, 115
 ॥ अनूपेद्वे ॥ , 109
 ॥ अपांसाम ॥ , 216
 ॥ अभिवादस्यचऔदलस्यसाम ॥ , 89
 ॥ अरूणस्यचवैददश्चेस्साम ॥ , 80
 ॥ अश्विनोश्च साम ॥ , 77
 ॥ अश्विनोश्चसंयोजनम् ॥ , 116
 ॥ अश्विनोश्चसाम ॥ , 112, 116
 ॥ अश्विनोश्चैवसाम ॥ , 116
 ॥ असीतञ्चसिन्धुसामवा ॥ , 82
 ॥ अहेःपैण्वस्यसाम अहिहनोवाबैल्वस्य ॥ , 61
 ॥ आकुपारम् ॥ , 220
 ॥ आक्षारञ्च ॥ , 159
 ॥ आक्षारञ्चैव ॥ , 160
 ॥ आक्षीलन्चबाभ्रंवा ॥ , 106
 ॥ आक्षीलेद्वे ॥ , 110
 ॥ आग्रेयञ्च ॥ , 193, 200, 233
 ॥ आग्रेयानित्रीणि ॥ , 182
 ॥ आङ्गिरसानित्रीणि ॥ , 203
 ॥ आङ्गीरसञ्चइन्द्रस्यवा हरिश्रीर्निधनम् ॥ , 82
 ॥ आङ्गीरसानित्रीणि ॥ , 225
 ॥ आजमायवञ्च ॥ , 116
 ॥ आजीकञ्च ॥ , 175, 176
 ॥ आजीक्तञ्च ॥ , 115
 ॥ आतीषातीयेद्वे ॥ , 234
 ॥ आत्रम् ॥ , 126, 216
 ॥ आत्राणित्रीणि ॥ , 98
 ॥ आत्रेद्वे ॥ , 111
 ॥ आदित्यस्यचरुचिरोचनंवा ॥ , 52
 ॥ आदित्यस्यार्कपुष्पे देवानांवा ॥ , 229
 ॥ आदित्याः सामनीद्वे तार्क्ष्यसामनिवा ॥ , 126
 ॥ आदित्यानाञ्चपवित्रम् ॥ , 154, 206
 ॥ आदित्यानाञ्चापामीवम् ॥ , 160
 ॥ आन्धीगवञ्च ॥ , 218
 ॥ आपालवैणवेद्वे ॥ , 75
 ॥ आप्सरसञ्च इष्टाहोत्रीयंवा आपांवानिधि ॥ , 67
 ॥ आभरद्वसवेद्वेऐन्द्राग्रेर्वा ॥ , 58
 ॥ आभिषवेद्वे ॥ , 197
 ॥ आभीकञ्च ॥ , 175
 ॥ आभीकञ्चैव ॥ , 175
 ॥ आभीकेद्वे ॥ , 147
 ॥ आभीशवञ्च ॥ , 84
 ॥ आभीशवेद्वे ॥ , 146

॥ आमहीयवञ्च ॥ , 176
 ॥ आयास्यञ्च ॥ , 194, 196
 ॥ आयास्येच ॥ , 193
 ॥ आयास्येद्वेसोमसामनीवा ॥ , 195
 ॥ आशुभार्गवंतृतीयम् ॥ , 178
 ॥ आश्वञ्च ॥ , 54, 212
 ॥ आश्वसूक्तञ्च ॥ , 56
 ॥ आश्वानिचत्वारि ॥ , 182, 200
 ॥ आश्वेद्वे ॥ , 154
 ॥ आष्टादष्टेद्वे ॥ , 131
 ॥ आसीतेद्वे ॥ , 45
 ॥ इन्द्रसाम ॥ , 181
 ॥ इन्द्रसामच ॥ , 205
 ॥ इन्द्रसामचैव ॥ , 182
 ॥ इन्द्रसामनीद्वे ॥ , 179, 233
 ॥ इन्द्रसामानित्रीणि ॥ , 205
 ॥ इन्द्रस्यक्रोशानुक्रोशेद्वे ॥ , 155
 ॥ इन्द्रस्यच शरणम् ॥ , 105
 ॥ इन्द्रस्यचक्षुरपविनीद्वे ॥ , 123
 ॥ इन्द्रस्यचक्षुरपवी ॥ , 85
 ॥ इन्द्रस्यचत्रातम् ॥ , 126
 ॥ इन्द्रस्यचमाया ॥ , 79
 ॥ इन्द्रस्यचरातिः ॥ , 168
 ॥ इन्द्रस्यचवृषकम् ॥ , 105, 192
 ॥ इन्द्रस्यचवैराजे ॥ , 169
 ॥ इन्द्रस्यचश्येनः ॥ , 144
 ॥ इन्द्रस्यचस्वाराज्यम् ॥ , 147
 ॥ इन्द्रस्यचाभयङ्करम् ॥ , 108
 ॥ इन्द्रस्यवज्रेद्वे ॥ , 124
 ॥ इन्द्रस्यवात्रघ्नम् ॥ , 189
 ॥ इन्द्रस्यवारवन्तीयम् ॥ , 122
 ॥ इन्द्रस्यवृषकाणित्रीणि ॥ , 185
 ॥ इन्द्रस्यशुद्धाशुद्धीयेद्वे ॥ , 134
 ॥ इन्द्रस्यसंवर्गौवात्रघ्नेद्वे ॥ , 19
 ॥ इन्द्रस्यसञ्चयेद्वे सेनुदेवा वामदेव्येवा ॥ , 150
 ॥ इन्द्रस्यसत्रासाहीयेद्वे ॥ , 76
 ॥ इन्द्रस्यसहस्रबाहवियम् ॥ , 59
 ॥ इन्द्रस्यसहस्रायुतेद्वे प्रजापतेर्वा महोविशीये ॥ , 113
 ॥ इन्द्रस्याभयम् ॥ , 83
 ॥ इन्द्रस्याभरेद्वे ॥ , 162
 ॥ इन्द्रस्याभीवर्तः ॥ , 92
 ॥ इन्द्रस्याभ्रातृव्यम् ॥ , 161
 ॥ इन्द्रस्यार्कौद्वौ ॥ , 91
 ॥ इन्द्रस्येन्द्रियाणीत्रीणि ॥ , 143
 ॥ इन्द्राण्याश्चैवसाम ॥ , 176

॥ इन्द्राण्यास्साम ॥ , 56, 113, 175
 ॥ इन्द्राण्यास्सामनीद्वे ॥ , 59
 ॥ इन्द्राण्यास्सामनीद्वेइन्द्रस्यवासांवर्त्ते
 संवर्त्तस्यवाङ्गीरसस्य ॥ , 159
 ॥ इन्द्राण्यास्सामा ॥ , 83
 ॥ इषोवृधीयञ्च ॥ , 181
 ॥ इहवद्वामदेव्यंतृतीयम् ॥ , 24
 ॥ उद्वंशपुत्रञ्च ॥ , 166
 ॥ उद्वंशीयन्तृतीयम् ॥ , 130
 ॥ उद्वञ्च ॥ , 194
 ॥ उरोराडगिरसस्यसाम ॥ , 29
 ॥ उषसश्च साम ॥ , 63
 ॥ उषसश्चसाम ॥ , 78, 86, 116, 136, 138, 151, 168
 ॥ उषसश्चैवसाम ॥ , 86
 ॥ ऋक्सामयोस्सामनीद्वे ॥ , 138
 ॥ ऋतुसामच ॥ , 87
 ॥ ऋतुसामनिच ॥ , 122
 ॥ ऋतुसामनीच ॥ , 37
 ॥ ऋषभश्चपावमानः ॥ , 175
 ॥ ऐटतेद्वे ॥ , 38, 54
 ॥ ऐतवृधञ्च ॥ , 35
 ॥ ऐधमवाहानि त्रीणि ॥ , 60
 ॥ ऐषञ्च ॥ , 62, 85, 86, 171, 192, 212
 ॥ ऐषञ्चारूढवदाङ्गिरसम् ॥ , 45
 ॥ ऐषिराणिचत्वारिच्यावनानिवा ॥ , 237
 ॥ ऐषिराणित्रीणि ॥ , 162
 ॥ ऐषिराणिपञ्च ॥ , 231
 ॥ ऐषिरेद्वे ॥ , 93
 ॥ औक्षोरन्धराणित्रीणिऔक्षोनिधनानिवा ॥ , 158
 ॥ औक्षोनिधनानित्रीणि ॥ , 204
 ॥ औक्षोरन्ध्राणित्रीणि ॥ , 203
 ॥ औदलेद्वे वैणवेद्वे वैणव औदलइतीवा ॥ , 72
 ॥ औरूक्षयेद्वे ॥ , 119
 ॥ और्णायवेद्वे ॥ , 184
 ॥ और्ध्वसद्मनञ्च ॥ , 218
 ॥ और्ध्वसद्मनेद्वे प्रहितोर्वा संयोजने ॥ , 88
 ॥ और्वस्यवैधारेस्सामनीद्वे ॥ , 22
 ॥ औशनंवासिष्ठंवा ॥ , 235
 ॥ औशनंवैरूपम् ॥ , 222
 ॥ औशनञ्च ॥ , 19
 ॥ औशनम् ॥ , 187, 225
 ॥ औशनानित्रीणि ॥ , 207

॥ औशनेच ॥ , 188
 ॥ कण्वरथन्तरम् ॥ , 195
 ॥ कश्यपस्यचधृष्णुम् ॥ , 147
 ॥ कश्यपस्यचशोभनम् ॥ , 216
 ॥ कश्यपस्यबर्हिषीयम् ॥ , 18
 ॥ कश्यपस्यसयोनिः ॥ , 44
 ॥ काक्षीवतञ्च ॥ , 63
 ॥ काण्वञ्चैव ॥ , 103
 ॥ काण्वम् ॥ , 103
 ॥ काण्वेद्वे ॥ , 34, 70, 133
 ॥ कार्णश्रवसम् ॥ , 33
 ॥ कार्णश्रवसानित्रीणिगौलोमानिवा ॥ , 232
 ॥ कार्तवेशञ्च ॥ , 28, 105
 ॥ कार्ष्णेच ॥ , 189
 ॥ कालेयानित्रीणि ॥ , 93
 ॥ कावञ्च ॥ , 26
 ॥ कावञ्चैव ॥ , 224
 ॥ कावम् ॥ , 223
 ॥ कावर्षाणित्रीणि ॥ , 164
 ॥ कावर्षेद्वे ॥ , 108
 ॥ काश्यपञ्च ॥ , 137
 ॥ काश्यपञ्चआप्सुरसंवा ॥ , 88
 ॥ काश्यपेद्वे ॥ , 40
 ॥ कूतिवारस्यवैरूपस्यसाम ॥ , 128
 ॥ कूत्सस्यप्रतोदौद्वौ ॥ , 65
 ॥ कूत्सस्याधिरथ्यानित्रीणि ॥ , 214
 ॥ कौत्सञ्च ॥ , 40, 86, 88
 ॥ कौत्सन्तृतीयम् ॥ , 155
 ॥ कौत्सानिचत्वारि ॥ , 89
 ॥ कौत्सेद्वे पाञ्चवाजेवा ॥ , 73
 ॥ कौन्मलबर्हिषाणिपञ्च शंकुतृतीयंसीदन्तीयंवा
 तृतीयेतराणिपञ्चा त्यर्थः ॥ , 238
 ॥ कौन्मुदञ्चैव ॥ , 42
 ॥ कौन्मुदम् ॥ , 42
 ॥ कौन्मुदेद्वेस्वर्जोतिषीवा ॥ , 109
 ॥ कौन्मुलबर्हिषेद्वे ॥ , 94
 ॥ कौल्मलबर्हिषेद्वे ॥ , 135
 ॥ क्रौञ्चञ्चैव उद्वद्ववा ॥ , 221
 ॥ क्रौञ्चानित्रीणि ॥ , 219
 ॥ क्रौञ्चेद्वेशर्मदेवा ॥ , 221
 ॥ गात्समदञ्च ॥ , 114
 ॥ गाधिनश्चकौशिकस्यसाम ॥ , 32
 ॥ गायत्रपार्श्वञ्च ॥ , 240
 ॥ गृत्समदस्यमदौद्वौ ॥ , 146

॥ गृत्समदस्ययोनिनीद्वे ॥ , 119
 ॥ गृत्समदस्यवीकानिचत्वारिवसिष्ठस्यवाप्रियाणी ॥
 , 132
 ॥ गृत्समदस्यसमिधौदौ ॥ , 127
 ॥ गृत्समदस्यसूत्राणि चत्वारि ॥ , 219
 ॥ गोधासामच ॥ , 78
 ॥ गोपवनञ्च ॥ , 26
 ॥ गोषूक्तम् ॥ , 56
 ॥ गौङ्गवम् ॥ , 97
 ॥ गौतमम् ॥ , 136
 ॥ गौतमस्यच भद्रम् ॥ , 76
 ॥ गौतमस्यचैवपर्कः ॥ , 18
 ॥ गौतमस्यतन्त्रातन्त्रेद्वे ॥ , 209
 ॥ गौतमस्यपर्कः ॥ , 18
 ॥ गौतमस्यपौरुमुद्वेद्वेपुरुमुद्गस्यवा ज्जीरसस्य
 देवानांवा ॥ , 29
 ॥ गौतमस्यमनार्याणित्रीणि ॥ , 107
 ॥ गौतमस्यमनार्येद्वे ॥ , 32
 ॥ गौतमस्यरयिष्ठेद्वे ॥ , 134
 ॥ गौतमेद्वे ॥ , 30, 111
 ॥ गौर्यश्चाङ्गिरसस्यसाम ॥ , 151
 ॥ गौराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥ , 27
 ॥ गौराङ्गीरसस्यसामनीद्वे ॥ , 170
 ॥ गौराणित्रीणि ॥ , 57
 ॥ गौरीवितम् ॥ , 56
 ॥ गौरीवितानित्रीणि ॥ , 70
 ॥ गौरीवितेःप्रहितौद्वौ ॥ , 111
 ॥ गौरीवितेद्वे ॥ , 74
 ॥ गौशृङ्गेद्वे ॥ , 94
 ॥ घृताचेराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥ , 41
 ॥ च्यावनानिचत्वारि ॥ , 183
 ॥ जमग्रेस्सवासिनी द्वे ॥ , 195
 ॥ जमदग्रेरभिवर्तएकम् ॥ , 94
 ॥ जमदग्रेश्चगम्भीरम् ॥ , 177
 ॥ जमदग्रेश्चसंवर्गः ॥ , 51
 ॥ जमदग्रेश्चिल्लेद्वे ॥ , 177
 ॥ तन्वस्यपाथस्यसामनीद्वे वसोवार्षेः ॥ , 55
 ॥ तरन्तस्यचवैददश्चेस्साम ॥ , 191
 ॥ तान्वेद्वे ॥ , 59
 ॥ तिरश्चेराङ्गिरसस्यसामनीद्वेदेवानांवादेवपुरे ॥ ,
 133
 ॥ तौदेद्वे ॥ , 47
 ॥ तौरश्रवसञ्च ॥ , 114

- ॥ त्रासदस्यवेच ॥ , 144
 ॥ त्रैककूभानित्रीणि ॥ , 158
 ॥ त्रैतानिचत्वारि ॥ , 156
 ॥ त्रैतानित्रीणि ॥ , 148
 ॥ त्रैशोकम् ॥ , 140
 ॥ त्वष्टार्याश्चसाम ॥ , 115
 ॥ त्वष्टुरातिथ्येद्वे ॥ , 66, 78
 ॥ त्वष्टुश्चातिथ्यम् ॥ , 48
 ॥ त्वाष्ट्रीसामच ॥ , 45, 66, 78
 ॥ त्वाष्ट्रीसामनीचैव ॥ , 221
 ॥ त्वाष्ट्रीसामनीद्वे ॥ , 83, 220
 ॥ दाढ्यच्युतानित्रीणि ॥ , 192
 ॥ दार्शशीर्षेद्वे ॥ , 227
 ॥ दाशस्पत्यानिषट् ॥ , 215
 ॥ दीर्घेद्वे ॥ , 239
 ॥ देवानाञ्चरुचिरोचनंवा ॥ , 138
 ॥ दैर्घतमसानित्रीणि ॥ , 47
 ॥ दैर्घश्रवसेद्वे ॥ , 31
 ॥ दैवातिथम्मैधातिथं वा ॥ , 73
 ॥ दैवानीकञ्च ॥ , 51
 ॥ दैवोदासञ्च ॥ , 33
 ॥ दैवोदासानिचत्वारि ॥ , 159
 ॥
 ॥ दैवोदासानित्रीणिआर्षभाणिवायदिवावाध्यश्चानि ॥ , 72
 ॥ दैवोदासेद्वे ॥ , 155
 ॥ दैवोराजञ्च ॥ , 32
 ॥ द्युतानस्य मारूतस्य सामनीद्वे ॥ , 126
 ॥ द्यौतेद्वे ॥ , 234
 ॥ द्वभ्यासञ्चसौहविषं वसिष्ठस्यवापिप्पलि ॥ , 204
 ॥ द्विहिङ्कारञ्चवामदेव्यम् ॥ , 201
 ॥ द्वैगतेच ॥ , 105
 ॥ धानाकेद्वे ॥ , 93
 ॥ धुरश्शम्येद्वे ॥ , 75, 167
 ॥ धृषतोमारूतस्यसामनीद्वे ॥ , 60
 ॥ नकूलस्यवामदेवस्यप्रैखौद्वौ ॥ , 218
 ॥ नानदन्तृतीयम् ॥ , 135
 ॥ नार्मेधञ्च ॥ , 28
 ॥ नाविकञ्च ॥ , 92
 ॥ नैपातिथञ्च ॥ , 114
 ॥ नैपातिथेद्वे वाशेवा ॥ , 109
 ॥ नौधसम् ॥ , 92
 ॥ पथस्यसौभरस्यसामनीद्वे ॥ , 51, 163
 ॥ पाथेद्वे ॥ , 42, 120
 ॥ पारूच्छेपेद्वे ॥ , 172
 ॥ पाष्ठौहञ्चैव ॥ , 181
 ॥ पाष्ठौहेच ॥ , 81
 ॥ पाष्ठौहेद्वे ॥ , 180
 ॥ पुरीषञ्चाथर्वणम् ॥ , 117, 125
 ॥ पौरुमीढञ्च ॥ , 33
 ॥ पौरूहन्मनञ्च ॥ , 108
 ॥ पौषञ्च ॥ , 62
 ॥ पौष्कलम् ॥ , 230
 ॥ पौष्णञ्च ॥ , 40
 ॥ पौष्णेद्वे ॥ , 67
 ॥ प्रजपतेश्चैवसहोरयिष्ठीयंसोमसामवा ॥ , 180
 ॥ प्रजापतेःकनीनिकेद्वेअत्रेवा ॥ , 43
 ॥ प्रजापतेःश्रुधियेद्वे ॥ , 48
 ॥ प्रजापतेःसदोहविधानानित्रीणिसदःपूर्वहविधाने उत्तरे ॥ , 48
 ॥ प्रजापतेराशिमरायेद्वेमरायराशिनिवा ॥ , 39
 ॥ प्रजापतेर्गूर्दः ॥ , 167
 ॥ प्रजापतेर्गूर्दौ गौतमस्यवाप्रतोद्वौ ॥ , 199
 ॥ प्रजापतेर्दोहादोहीयेद्वे ॥ , 176
 ॥ प्रजापतेर्धनधर्मेद्वे ॥ , 168
 ॥ प्रजापतेर्धर्मविधर्माणिचत्वारि ॥ , 153
 ॥ प्रजापतेर्निधन कामम् ॥ , 68, 106
 ॥ प्रजापतेर्वाजसनिनीद्वे वाजजितौद्वौ वाराहाणिवा ॥ , 208
 ॥ प्रजापतेर्वाजसनिनीद्वे ॥ , 223
 ॥ प्रजापतेर्वाजसनी ॥ , 170
 ॥ प्रजापतेर्हिकनिकविकानित्रीणि ॥ , 153
 ॥ प्रजापतेश्चनिधनकामम् ॥ , 23
 ॥ प्रजापतेश्चसदोविशीयम् ॥ , 195
 ॥ प्रजापतेश्चसहोरयिष्ठीयम् ॥ , 179
 ॥ प्रजापतेश्चाभीवर्तः ॥ , 92
 ॥ प्रजापतेश्चैवगूर्दः ॥ , 167
 ॥ प्रजापतेस्सन्तनीकेद्वे ॥ , 167
 ॥ प्रजापतेस्सीदन्तीयेद्वे ॥ , 162
 ॥ प्रजापतेस्सुतरयिष्ठीयेद्वे ॥ , 67
 ॥ प्रतीचीनेषञ्च काशीतम् ॥ , 79
 ॥ प्रयस्वच्चप्राजापत्यम् ॥ , 170
 ॥ प्रवत्भार्गवम् ॥ , 226
 ॥ प्रशस्यजानस्याभीवर्तौद्वौ ॥ , 207

॥ प्रष्टमेकम् ॥ , 94
 ॥ प्रहितोःसंयोजनेद्वे ॥ , 155
 ॥ प्राकर्षञ्च ॥ , 108, 119
 ॥ प्राकर्षम् ॥ , 96
 ॥ प्राजापत्येद्वे ॥ , 183
 ॥ प्रैयमेधानित्रीणि शौक्त सामानिवा
 उत्गातृदमनंवातृतीयम् ॥ , 74
 ॥ प्रैय्यमेधञ्च ॥ , 138
 ॥ प्रैय्यमेधानि त्रीणि ॥ , 222
 ॥ बभ्रोःकार्तवेशानित्रीणि ॥ , 186
 ॥ बभ्रोःकुम्भस्यसामानित्रीणि ॥ , 185
 ॥ बाभ्रवेद्वे ॥ , 175
 ॥ बार्हगिराणित्रीणी ॥ , 147
 ॥ बार्हदुक्थञ्च ॥ , 86, 114, 138, 143
 ॥ बार्हदुक्थेद्वे ॥ , 88
 ॥ बार्हदुत्थेद्वे ॥ , 33
 ॥ बार्हस्पत्यञ्च ॥ , 45
 ॥ बार्हस्पत्यञ्चब्राह्मणस्पत्यंवा ॥ , 35
 ॥ बार्हस्पत्येद्वेअग्नेर्वाराक्षोग्ने ॥ , 173
 ॥ बृहचैवाग्नेयम् ॥ , 42
 ॥ बृहच्चाग्नेयम् ॥ , 42
 ॥ बृहतश्चमारूतस्यसाम ॥ , 101
 ॥ बृहतोमारूतस्यसामनीद्वे ॥ , 123
 ॥ बृहत्कम् ॥ , 161
 ॥ बृहदाग्नेयञ्चसङ्कृतंवा ॥ , 49
 ॥ भरद्वाजस्यवार्जभृत् ॥ , 50
 ॥ भागञ्च ॥ , 92, 153
 ॥ भारद्वाजञ्च ॥ , 80, 125, 168, 189,
 193
 ॥ भारद्वाजञ्चैव ॥ , 168, 190
 ॥ भारद्वाजस्यगाधम् ॥ , 30
 ॥ भारद्वाजस्यदारसन्तित्रीणि ॥ , 60
 ॥ भारद्वाजस्यपृश्नीद्वे ॥ , 29
 ॥ भारद्वाजस्यप्रासाहम् ॥ , 41
 ॥ भारद्वाजस्यमौक्षेद्वे ॥ , 63
 ॥ भारद्वाजस्यविषमाणित्रीणि
 इन्वकंवातृतीयम् ॥ , 172
 ॥ भारद्वाजस्यशुन्ध्यु ॥ , 160
 ॥ भारद्वाजस्यौपहवौद्वौ ॥ , 28
 ॥ भारद्वाजानिचत्वारि कण्वब्रह्मद्वितीयम् ॥ ,
 96
 ॥ भारद्वाजानित्रीणि ॥ , 64
 ॥ भारद्वाजेद्वे ॥ , 91, 197
 ॥ भार्गवञ्चैव ॥ , 226
 ॥ भार्गवेच ॥ , 22
 ॥ भासञ्च ॥ , 179

॥ भृष्टिमतस्यस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥ , 124
 ॥ मण्डोर्जामदग्न्यस्यसामनीद्वे ॥ , 30
 ॥ मधुश्चुन्निधनञ्च प्राजापत्यम् ॥ , 135
 ॥ मनसश्चदोहः ॥ , 35
 ॥ मरुताञ्चसंवेशीयंककूभंवा ॥ , 162
 ॥ मरुताञ्चसाम् ॥ , 165
 ॥ मरुतांत्रतोपोहस्सम्पद्वा ॥ , 213
 ॥ मरुताङ्गालकाक्रन्तौ ॥ , 210
 ॥ मरुताङ्गोष्ठापुंसिनिद्वे ॥ , 199
 ॥ मरुताञ्चसंवेशीयम् ॥ , 62
 ॥ मरुतान्धेनुनीद्वे ॥ , 228
 ॥ मरुताम्प्रकीळास्त्रयःसङ्कीळावानिक्लिळावा ॥
 , 187
 ॥ मरुताम्प्रेङ्गःवसिष्ठस्यवा ॥ , 233
 ॥ महाकार्तवेशञ्च ॥ , 218
 ॥ महाकार्तवेशञ्च ॥ , 29
 ॥ महागौरीवितं तृतीयम् ॥ , 75
 ॥ महायौधाजयञ्च ॥ , 200
 ॥ महारौरवञ्च ॥ , 199
 ॥ महावामदेव्यंतृतीयम् ॥ , 76
 ॥ महावैश्वामित्रेद्वे ॥ , 131
 ॥ महासावेदसेद्वे ॥ , 142
 ॥ माण्डवञ्च ॥ , 194
 ॥ माण्डवञ्चैव ॥ , 194
 ॥ माण्डवेद्वे ॥ , 198
 ॥ मादिलम् ॥ , 180
 ॥ माधुच्छन्दसञ्च ॥ , 115
 ॥ माधुच्छन्दसम् ॥ , 212
 ॥ माधुच्छन्दसङ्गौञ्चसौपर्णवा
 घृतश्चुन्निधनंआङ्गिरसानिवा ॥ , 74
 ॥ मानवञ्च ॥ , 45
 ॥ मानवेद्वे ॥ , 34
 ॥ मारूतंवैश्वामित्रंवा आङ्गिरसानांवा साम
 मैधातिथंवा ॥ , 136
 ॥ मारूतञ्च ॥ , 22
 ॥ मारूतञ्चैव ॥ , 165
 ॥ मार्गीयवञ्चैव ॥ , 54
 ॥ माहावामदेव्यञ्च ॥ , 76
 ॥ मित्रावरुणयोश्चसंयोजनम् ॥ , 87
 ॥ मैधातिथम् ॥ , 95
 ॥ यमस्यार्कौद्वौ ॥ , 82
 ॥ यामञ्च ॥ , 37, 82, 122, 151
 ॥ यामम् ॥ , 146, 160, 226
 ॥ यामम्मरुताञ्चसाम ॥ , 171
 ॥ यामानित्रीणि ॥ , 188, 228

॥ यामेद्वे ॥ , 25, 39, 148
 ॥ यौक्ताश्वेद्वे ॥ , 179
 ॥ यौक्तास्रजमिन्द्रस्येन्द्रियंवा ॥ , 98
 ॥ यौधाजयञ्च ॥ , 196
 ॥ रजेराङ्गीरसस्यपदस्तोभौद्वौ ॥ , 184
 ॥ रयिष्ठञ्च ॥ , 197
 ॥ रेवञ्च ॥ , 159
 ॥ रेवञ्चैव ॥ , 160
 ॥ रौद्रेद्वे ॥ , 54
 ॥ रौरवम् ॥ , 196
 ॥ रौहितकूलियेद्वे ॥ , 59
 ॥ लौशञ्च ॥ , 151
 ॥ लौशम् ॥ , 149
 ॥ लौशेद्वे ॥ , 92
 ॥ वत्सस्यकाण्वस्य सामनीद्वे
 गौतमस्यवामनार्ये ॥ , 99
 ॥ वत्सस्यकाण्वस्यसामनीद्वे ॥ , 20
 ॥ वमृस्यवैखानसस्यसाम ॥ , 36
 ॥ वरुणसामच ॥ , 86
 ॥ वरुणसामानित्रीणि ॥ , 101
 ॥ वरूणसामनीद्वे द्यावापृथिव्योर्वासामनी ॥ ,
 144
 ॥ वरूणान्याश्चसाम ॥ , 138
 ॥ वषट्कारनिधनञ्च साकमश्वम् ॥ , 101
 ॥ वसिष्ठस्य वज्राणि त्रीणि ॥ , 112
 ॥ वसिष्ठस्यचनिहवम् ॥ , 119
 ॥ वसिष्ठस्यचप्लवम् ॥ , 196
 ॥ वसिष्ठस्यचवीङ्गम् ॥ , 35
 ॥ वसिष्ठस्यचवैराजे ॥ , 160
 ॥ वसिष्ठस्यचापदासे ॥ , 194
 ॥ वसिष्ठस्यजनित्रेद्वे ॥ , 95, 186
 ॥ वसिष्ठस्यपदेद्वे ॥ , 230
 ॥ वसिष्ठस्यप्रमंहिष्ठीयानिचत्वारि ॥ , 50
 ॥
 वसिष्ठस्यवीकानिचत्वारिन्द्रस्यवाप्रियाणिआकूपाराणिवा
 , 132
 ॥ वसिष्ठस्यशकूनः ॥ , 177
 ॥ वसिष्ठस्यसङ्गमौद्वौसौहविषाणित्रीणि
 सर्वाणिवासौहविषाणि ॥ , 152
 ॥ वसिष्ठस्यां कुशौद्वौ ॥ , 125
 ॥ वसिष्ठस्यानुपदेद्वे ॥ , 230
 ॥ वसिष्ठस्यापामीवेद्वे वायोर्वाभिकृन्दौ ॥ , 228
 ॥ वसिष्ठस्याभरेद्वे ॥ , 164
 ॥ वसुरोचिषस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥ , 26

॥ वाकानित्रीणि ॥ , 152
 ॥ वाक्रतुरञ्च ॥ , 171
 ॥ वाक्रतुरम् ॥ , 126
 ॥ वाचश्चसाम ॥ , 110, 114
 ॥ वाचस्सामनीद्वे ॥ , 75, 165, 215
 ॥ वाचस्सामानित्रीणि ॥ , 238
 ॥ वाजजिच्चा ॥ , 204
 ॥ वाजिजितौद्वौ ॥ , 224
 ॥ वाजिदापर्यञ्च ॥ , 68
 ॥ वाजिनाञ्चसाम ॥ , 153, 154
 ॥ वात्सप्राणित्रीणि ॥ , 121
 ॥ वामदेव्यञ्च ॥ , 38, 112, 137
 ॥ वामदेव्यम् ॥ , 129
 ॥ वाम्नाणित्रीणि ॥ , 97, 100
 ॥ वाक्जभञ्च ॥ , 49
 ॥ वार्शानित्रीणि ॥ , 191
 ॥ वार्षाहरम् ॥ , 191
 ॥ वार्षाहरेद्वे ॥ , 64
 ॥ वासिष्ठञ्च ॥ , 125
 ॥ वासिष्ठम् ॥ , 217
 ॥ वासिष्ठानि त्रीणि भार्गवं वा तृतीयम् ॥ ,
 102
 ॥ वासिष्ठानित्रीणि ॥ , 99
 ॥ वासिष्ठानिषट् ॥ , 211
 ॥ वासिष्ठेद्वे ॥ , 236
 ॥ वासुमन्देद्वे ॥ , 164
 ॥ वासोक्रञ्च ॥ , 40
 ॥ विरूपस्य समिचीन प्राचीनेद्वे ॥ , 98
 ॥ विरूपस्यचतन्त्रे ॥ , 226
 ॥ विश्वामित्रस्यचार्दः ॥ , 167
 ॥ विश्वामित्रस्यचैवात्यर्दः ॥ , 167
 ॥ विष्णोररणीद्वे ॥ , 202
 ॥ विष्णोश्चसाम ॥ , 87
 ॥ विस्पर्धञ्च ॥ , 35
 ॥ वेणोर्विशालेद्वे ॥ , 209
 ॥ वैखानसम् ॥ , 96
 ॥ वैतहव्यञ्च ॥ , 80
 ॥ वैतहव्यानि त्रीणि ॥ , 69
 ॥ वैदन्वतञ्च ॥ , 121
 ॥ वैदन्वतम् ॥ , 148
 ॥ वैदन्वतानिचत्वारि
 ऋषभोवावैदन्वतश्चतुर्थः ॥ , 184
 ॥ वैनसोमकृतवेद्वे ॥ , 198
 ॥ वैरूपञ्च ॥ , 82, 84, 109

॥ वैरूपम् ॥ , 145
 ॥ वैरूपाणित्रीणि ॥ , 107, 143
 ॥ वैरूपेच ॥ , 117
 ॥ वैरूपेचदेवानांवाञ्जसायिनी ॥ , 191
 ॥ वैर्यश्च ॥ , 76
 ॥ वैर्यश्चम् ॥ , 113
 ॥ वैश्यज्योतिषेच ॥ , 39
 ॥ वैश्वज्योतिषाणित्रीणि ॥ , 214
 ॥ वैश्वदेवश्च ॥ , 117
 ॥ वैश्वदेवश्चैव ॥ , 205
 ॥ वैश्वदेवेच ॥ , 181, 204
 ॥ वैश्वदेवेद्वे ॥ , 178, 233
 ॥ वैश्वमनसश्च ॥ , 21
 ॥ वैश्वमनसश्चादित्यसामवा ॥ , 18
 ॥ वैश्वमनसम् ॥ , 157
 ॥ वैश्वम्नसश्च ॥ , 25
 ॥ वैश्वामित्रश्च ॥ , 21, 133, 165, 168, 189
 ॥ वैश्वामित्रम् ॥ , 127, 133
 ॥ वैश्वामित्रेच ॥ , 79
 ॥ वैष्टम्भश्चैव ॥ , 181
 ॥ वैष्टम्भेद्वे ॥ , 180
 ॥ वैष्टम्भेद्वे ॥ , 103
 ॥ वैष्णवानि त्रीणि इहद्वाम दैवोदासन्तृतीयं
 और्ध्वसन्नानिवा ॥ , 71
 ॥ शय्यातानित्रीणि ॥ , 56
 ॥ शाकपूतश्च ॥ , 135
 ॥ शाकपूतेद्वे ॥ , 137
 ॥ शाकलम् ॥ , 58
 ॥ शार्करेद्वे ॥ , 161
 ॥ शार्मदे द्वे ॥ , 186
 ॥ शुक्लएकम् ॥ , 94
 ॥ शैखण्डिनश्च ॥ , 80
 ॥ शैखण्डिनीत्रीणि ॥ , 130
 ॥ शैखण्डिनेद्वे ॥ , 130, 140
 ॥ शैतन्त्रृतीयम् ॥ , 91
 ॥ शैतेष्याणिचत्वारि ॥ , 239
 ॥ शैरीषेच ॥ , 19
 ॥ शैरीषेद्वे ॥ , 142
 ॥ शैशवेद्वे ॥ , 176
 ॥ शौक्तसामनीद्वे ॥ , 64
 ॥ शौक्तानि त्रीणि शुक्लानिवा आश्वानिवा ॥ , 106

॥ शौक्तानित्रीणि ॥ , 69, 237
 ॥ शौक्तानिपञ्च ॥ , 232
 ॥ शौनश्शेषञ्च ॥ , 79
 ॥ श्राभाशौष्टेद्वे ॥ , 21
 ॥ श्रौष्टाणित्रीणि ॥ , 216
 ॥ श्यावाश्च ॥ , 37, 84, 193, 218
 ॥ श्यावाश्चस्यप्रहितौद्वौ ॥ , 47
 ॥ श्यावाश्चेद्वे ॥ , 67, 80
 ॥ श्येनश्च ॥ , 40
 ॥ श्रायन्तीयश्च ॥ , 105
 ॥ श्रुष्टिगवश्च ॥ , 104
 ॥ श्रुष्टीगवम् ॥ , 28
 ॥ श्रौतकक्षेद्वे ॥ , 55
 ॥ श्रौतश्च ॥ , 84
 ॥ श्रौतर्वणश्च ॥ , 43
 ॥ श्रौतर्षाणित्रीणि ॥ , 19
 ॥ संश्रवसे वीश्रवसे सत्यश्रवसे श्रवस
 इतिवार्यानां सामानिचत्वारी
 सांशानानिवा ॥ , 102
 ॥ संहितश्च ॥ , 177
 ॥ संहितश्चैव ॥ , 178
 ॥ सत्यश्रवसोवार्यश्चसाम ॥ , 150
 ॥ सन्तनिच ॥ , 240
 ॥ सन्नतेद्वे ॥ , 91
 ॥ सभानित्रीणि ॥ , 236
 ॥ समन्तानित्रीणिअग्रेरेकमिन्द्रायोर्वाप्रजापतेर्वावरुण
 , 36
 ॥ समुद्रस्यच प्रैयमेधस्य साम ॥ , 117
 ॥ सराधसःप्रराधस्यश्चाङ्गिरसयोस्सामानित्रीणि ॥ , 157
 ॥ सवितुश्चसाम ॥ , 78, 171
 ॥ साकमश्चन्धुरांवासाम ॥ , 81
 ॥ साकमश्चस्यशौनःशेषेःसामनी द्वे ॥ , 20
 ॥ सात्यम् ॥ , 96
 ॥ साध्रश्च ॥ , 51
 ॥ साध्राणि त्रीणि ॥ , 97
 ॥ सामराजानित्रीणि विशालानिवा उद्वन्तिवा
 सम्पद्वा तृतीयम् ॥ , 225
 ॥ सावित्राणिषट्त्रैयमेधानिवा ॥ , 128
 ॥ सुज्ञानेद्वे ॥ , 234
 ॥ सुमित्रस्यचवार्द्धश्चेस्साम ॥ , 20
 ॥ सूरूपेद्वे ॥ , 177
 ॥ सूर्यसामच ॥ , 108, 192
 ॥ सूर्यसामनीद्वे ॥ , 26

॥ सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥ , 24, 227
 ॥ सोमसामच ॥ , 25, 89, 116, 179,
 188, 192, 193, 201, 205, 233
 ॥ सोमसामचैव ॥ , 180, 206, 222
 ॥ सोमसामनीद्वे ॥ , 124, 178, 206, 212
 ॥ सोमसामानि त्रीणि ॥ , 221
 ॥ सोमसामानिचत्वारि वासिष्ठानिवा
 मदाईनिधनानिवा त्वाष्ट्रीसामानी ॥ ,
 220
 ॥ सोमसामानिचत्वारि ॥ , 213, 235
 ॥ सोमसामानित्रीणि ॥ , 239
 ॥ सोमसामानित्रीणि ॥ , 190, 240
 ॥ सोमसामानिषट् ॥ , 202
 ॥ सोमस्ययशांसित्रीणि ॥ , 235
 ॥ सोमापौष्णञ्च ॥ , 68
 ॥ सौकृतवञ्च ॥ , 33
 ॥ सौपर्णञ्च ॥ , 18, 121
 ॥ सौपर्णानि त्रीणि ॥ , 58
 ॥ सौपर्णेद्वे ॥ , 148
 ॥ सौबभ्रवेद्वे ॥ , 112
 ॥ सौभरञ्च ॥ , 81, 114

॥ सौभराणित्रीणि ॥ , 50
 ॥ सौभरेद्वे ॥ , 144, 185
 ॥ सौमित्रञ्च ॥ , 78, 80, 84
 ॥ सौमित्राणित्रीणि ॥ , 157
 ॥ सौमित्रे ॥ , 85
 ॥ सौमित्रेद्वे ॥ , 83, 120
 ॥ सौमित्रेद्वे दैवोदासं तृतीयं श्रौतकक्षाणिवा ॥
 , 71
 ॥ सौमेधानित्रीणि पौर्वतिथानिवा ॥ , 73
 ॥ सौयवसानिचत्वारिपुनरीळवातृतीयम् ॥ ,
 161
 ॥ सौरश्मेद्वे ॥ , 123
 ॥ सौश्रवसेद्वे ॥ , 66
 ॥ स्तौभञ्च ॥ , 84
 ॥ स्वःपृष्ठञ्चैवाङ्गिरसम् ॥ , 206
 ॥ स्वःपृष्ठमाङ्गिरसम् ॥ , 205
 ॥ स्ववस आङ्गीकस्यसामनीद्वे ॥ , 103
 ॥ हारायणानि त्रीणि ॥ , 100
 ॥ हारिवर्णानिचत्वारि ॥ , 156
 ॥ हाविष्कृतेद्वे ॥ , 63
 ॥ हाविष्मतेद्वे ॥ , 62